वाणी का ज्ञान बढ़ाएं, इञ्चोली की फ्री यात्रा करें

प्रतियोगिता का परिणाम

पूज्य सुन्दरसाथ जी ! हमें खुशी है कि इस प्रतियोगिता में सुन्दर साथ ने बहुत रुचि दिखाई है। इस सम्बन्ध में हमारे पास इक्कीस सुन्दरसाथ के ठीक उत्तर प्राप्त हुए। इससे स्पष्ट दिखाई देता है कि सुन्दरसाथ वाणी का काफी अध्ययन कर रहा है। वैसे तो प्रत्येक सुन्दरसाथ ने ठीक उत्तर के साथ-साथ स्लोगन भी बहुत सुन्दर लिखा है परन्तु ज्यूरी (JURI) द्वारा दिए गये निर्णयानुसार प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को पारतोषिक देने की सिफारिश की है। अतः धाम दर्शन में ज्यूरी के कथनानुसार तीन पारतोषिक देने का निर्णय किया है। धाम दर्शन परिवार की ओर से पुरस्कृत विजेताओं को बहुत-बहुत बधाई। शेष ठीक उत्तर वालों के नाम भी नीचे प्रकाशित किए जा रहे हैं। इञ्चोली आश्रम की यात्रा का एक ओर का साधारण यात्रा भत्ता प्रथम द्वितीय तथा तृतीय विजेताओं को भेजने का शीघ्र प्रवन्ध किया जा रहा है।

प्रथम विजेता

नाम	शहर	स्लोगन
१– श्री नरेन्द्रकुमार मोंगा	कानपुर	सुख शान्ति और सौन्दर्य बिखरा यहां के कण-कण में हरियाली दौड़ी फिरती है, स्वागत करने को राहों में प्रेम सेवा और अनुशासन का, अनुपम संगम है वहां दिन रात वहां चर्चा होती इन्चोली आश्रम है जहां।

Nijanand App

द्वितीय विजेता

नाम	शहर	स्लोगन
२– तृप्ता	जालन्धर	दरिया तो सभी भरे रहते हैं, किसी में होता कम आब नहीं । आश्रम तो सभी वाणी से भरपूर हैं, लेकिन इन्चोली का जवाब नहीं ।

तृतीय विजेता

३– श्री चेतनस्वरूप कक्कड़ श्रीमती कुसुम त्यागी	मेरठ	सुन्दर साथ का अटूट प्रेम हो जहाँ, वाणी चर्चा किरतन की वर्षा हो जहाँ । परम धाम जैसा अलौकिक आनन्द हो जहाँ हर कोई क्यों न जाए सदा वहाँ ॥

शेष ठीक उत्तर प्रेषित करने वाले सुन्दरसाथ

४– श्रीमती रानी भगत	कानपुर	फुरमाया था मेरे सतगुरु ने, चोली एक दिन बस जायेगी । होगा मेला जब रुहों का, यह धरा धाम बन जाएगी ॥
५– श्री सुग्रीवदास	अमृतसर	परमधाम कहाँ है, सच्चा प्रेम जहाँ है । सच्चा प्रेम कहाँ है, इन्चौली आश्रम जहाँ है ।
६– परनामी क्लाथ हाउस	मुजफ्फरनगर	श्री महामति कहे ए मोमिनो, हमें साथ है अति प्यारा । लेकिन चोली को न करना, कभी अपनी आत्मा से न्यारा ॥
७– श्री बिहारीलाल भगत	गुड़गांव	शलोगन प्राप्त नहीं हुआ ।
८– श्री विजय कुमार	गुड़गांव	ब्रह्म अंगनाओं को अर्श का जाम । पिलाने वाला प्यारा इन्चोली आश्रम ॥

Nijanand App

नाम	शहर	स्लोगन
९– श्री प्रवेन्द्र कुमार	गुड़गांव	चोली आश्रम में आत्मा को सुख पूर्ण मिलता है और शारीरिक दुःखों का भी निवारण होता है
१०– बेबी पिंकी	दिल्ली	इन्चोली आश्रम एक मात्र स्थान है । जहाँ आत्म रोग का पुरा इन्तजाम है ।।
११– श्री मोहनलाल चुघ	चण्डीगढ़	मेरा प्यारा इन्चोली धाम । परमधाम का नजारा इन्चोली धाम ।।
१२– श्रीमती शारदा मिड्ढा	कानपुर	नदी का किनारा है, इंचोली मंदिर प्यारा प्यारा है चर्चा वाणी का भंडारा है, परमधाम का नजारा है
१३– श्रीमती सुदेश जोनेजा	कानपुर	सखियों की घर से डोली चली । पिया से मिलने इन्चोली चली ।।
१४– रामप्यारी	दिल्ली	यह चोली देखकर हम सारी दुनिया भूल जातेहैं यहाँ जाने की धुन में हर तमन्ना भूल जाते हैं ।
१५– श्री हरकृष्ण लाल जोनेजा	कानपुर	चलो सखी चलें इन्चोली में । जहाँ खेल रहे पिया होली रे ।।
१६– श्री मोहनलाल	मुजफ्फरनगर	चोली की शताब्दी का शोर गुल गूंज रहा है चारों ओर । सुन्दरसाथ है अति प्यारा, अनुशासन में सबसे न्यारा ।।

Nijanand App

नाम	शहर	स्लोगन
१७– श्री लायकचन्द	दिल्ली	जहां शेरपुर वाले की रुह् का पयाम मिलता है वह इंचोली स्थान है वह इंचोली स्थान है । यहां खिलवत खाने का पूरा बयान खिलता है आतम को जगाते हैं पेह्चान होती है इमान मिलता है ॥
१८– श्री शुकल बत्तरा	अमृतसर	निज आनन्द को देने वाला, आश्रम है इंचोली में । मेरे सतगुरु द्वारा प्यार लुटे यहां, जैसे रंग उड़े होली में ॥
१९– श्री आनन्द कुमार	मुजफ्फरनगर	श्री महामति कहे ए मोमिनो, सुनो मेरे वतनी यार । चोली में आकर तो देखो, एक-एक सुन्दर साथ का प्यार ।
२०– श्रीगोपाल वाच हाउस	मुजफ्फरनगर	कौन कहता चोली परमधाम नहीं । सरियत का वहां कोई काम नहीं ॥ हमेशा हकीकत के सजदे करते हैं । सुन्दरसाथ हकीकत से मारफत कीतरफ बढ़तेहैं
२१– श्री राधाकृष्ण	मुजफ्फरनगर	अर्श हमें मिले न मिले, इसका तो गम नहीं । चोली भी तो एक अर्श है, यह भी तो कम नहीं

Nijanand App